

तकाई स्त्री. (देश.) 1. ताकने की क्रिया या भाव, ताकने की मजदूरी 2. दूसरों का कुछ दिखाना।

तकाजा पुं. (अर.) 1. तगादा 2. आदेश 3. अनुरोध 4. स्वाभाविक प्रेरणा 5. जरूरत जैसे- उम्र का तकाजा 6. माँग, तकाजा-ए वक्त-समय की माँग।

तकातक क्रि.वि. (देश.) लगातार।

तकाना स.क्रि. (देश.) 1. ताकने का काम कराना 2. ताकने में प्रवृत्त करना 3. किसी को उम्मीद बँधाना 4. दिखाना अ.क्रि. किसी ओर को जाना।

तकावी स्त्री. (अर.) बीज, बैल आदि खरीदने के लिए किसानों को दिया जाने वाला सरकारी ऋण।

तकित वि. (देश.) 1. थका हुआ 2. देखता हुआ।

तकिया पुं. (फा.) 1. रुई से भरी थैली जो सोते समय सिर के नीचे रखी जाती है, सिरहाना 2. फकीरों के रहने की जगह।

तकिया कलाम पुं. (देश.) 1. सखुनतकिया 2 वाक्य के भीतर वाक्य की पूर्ति के लिए प्रयुक्त परंतु अर्थ की दृष्टि से बेकार शब्द जिनका प्रयोग कुछ लोग आदतन बातचीत के दौरान करते हैं।

तकियागाह पुं. (अ.) पीर या फकीर के रहने का स्थान।

तकियादार पुं. (फा.) मज़ार पर रहने वाला फकीर।

तकिल पुं. (तद्.) 1. धूर्त, दुष्ट 2. औषध।

तकिला स्त्री. (तद्.) 1. औषध, दवा 2. एक जड़ी।

तक्कोल पुं. (तद्.) एक वृक्ष।

तक्र पुं. (तत्.) 1. छाछ, मट्ठा 2. शहतूत का एक रोग।

तक्रपिंड पुं. (तत्.) फटा हुआ दूध, छेना।

तक्रप्रमेह पुं. (तत्.) पुरुषों का एक रोग जिसमें छाछ की तरह का श्वेत मूत्र होता है और उसमें से मट्ठे की तरह की गंध आती है।

तक्रसंधान पुं. (तत्.) एक प्रकार की काँजी।

तक्रसार पुं. (तत्.) मक्खन, नवनीत।

तक्राट पुं. (तत्.) मथानी।

तक्रारिष्ट पुं. (तत्.) एक प्रकार का अरिष्ट जो मट्ठे में हरड़ और आँवले के चूर्ण से बनाया जाता है।

तक्राहवा स्त्री. (तत्.) एक झाड़ी।

तक्वा पुं. (तत्.) 1. चोर 2. शिकारी चिड़िया।

तक्ष पुं. (तत्.) 1. राम के भाई भरत के बड़े पुत्र का नाम 2. पतला करने की क्रिया या भाव।

तक्षक पुं. (तत्.) 1. आठ नागों में से एक जिसने परीक्षित को काटा था 2. साँप, सर्प 3. सूत्रधार 4. विश्वकर्मा।

तक्षण पुं. (तत्.) 1. बढ़ई 2. लकड़ी छीलना या काटना।

तक्षणी स्त्री. (तत्.) लकड़ी तराशने का औजार, रंदा, बसूला।

तक्षशिला पुं. (तत्.) एक प्राचीन नगरी का नाम, महाभारत के अनुसार यहीं जनमेजय का नागयज्ञ हुआ था।

तक्षा पुं. (तद्.) बढ़ई।

तखड़ी स्त्री. (देश.) तराजू।

तखत पुं. (फा.) दे. तख्त मुहा. तखता पलटना- तखता उलटना।

तखमीना पुं. (अर.) अनुमान, अंदाज, अटकल।

तखरी स्त्री. (देश.) बड़ी तुला, तराजू।

तखलिया पुं. (अर.) एकांत स्थान, निर्जन स्थान।

तखल्लुस पुं. (अर.) कवि या शायर का उपनाम।

तखसीस पुं. (अर.) विशेषता, खासियत।

तखिया स्त्री. (फा.) लंबी टोपी।

तख्त पुं. (फा.) 1. लकड़ी का चीरा हुआ कम मोटा टुकड़ा 2. ऊँची चौकी 3. अरथी मुहा. तख्ता उलटना- किसी प्रबंध को नष्ट भ्रष्ट करना, बना बनाया काम बिगाड़ना; तख्त हो जाना- ऐंठ जाना